संस्कृत कार्यशाला

सरल संस्कृत व्याकरण और संभाषण कौशल

मिराण्डा हाउस
संस्कृत विभाग

- इस कार्यशाला में कोई भी जिज्ञासु व्यक्ति भाग ले सकता हैं।
- संस्कृत के अतिरिक्त अन्य विषयों के छात्र एवं छात्राएं भी भाग ले सकते हैं ।
- इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कार्यशाला में उपस्थिति का निश्चित प्रतिशतपूर्ण करने पर प्रमाण- पत्र भी दिए जाएंगे।
- इच्छुक विद्यार्थियों को पहले पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।
- इस कार्यशाला के लिए विद्यार्थियों को 100/-रूपये तथा शिक्षकों को लिए 200 /-रूपये शुल्क निश्चित किया गया है।
- Bank details for receive the registration amount as follows:

principal Miranda House
State Bank of India
S.B. Account No. 10851301313 IFSC Code SBIN0010434
Branch Miranda House, Delhi University, Delhi 110007

समय :-6.30 - 7.30
दिनांक :- 15 जुलाई -29 जुलाई
स्थान :-ZOOM

संस्कृत विश्व की प्राचीनतम और समृद्ध भाषा है। ज्ञान का सर्वोपरि उत्स इस भाषा में ही विद्यमान है। प्राचीन काल में संस्कृत सामान्यजन-जीवन की भाषा थी लेकिन कालान्तर में इसके विकास में कुछ अवरोध उत्पन्न हुए। वर्तमान काल में इसकी महत्ता से न केवल भारतीय अपितु विदेशी भी अत्यन्त प्रभावित हुए हैं। इंग्लैण्ड के अनेक विद्यालयों में संस्कृत अनिवार्य भाषा के रूप में पढायी जाने लगी है। जर्मनी के अनेकों महाविद्यालयों में इसका पठन-पाठन हो रहा है। छात्रों की रूचि में अभिवृद्धि करने के लिए मिराण्डा हाउस महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के द्वारा एक पन्द्रह-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें छात्र-छात्राओं को संस्कृत-सम्भाषण तथा संस्कृत-व्याकरण के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराया जाएगा।

जिस प्रकार अंग्रेज़ी और हिन्दी आदि भाषाओं का अध्ययन करने वाले, उस भाषा में वार्तालाप करना भी जानते हैं उसी प्रकार संस्कृत का अध्ययन करने वाले विद्यार्थी इस भाषा में बातचीत करने में सक्षम हो जाएं, उसे व्यवहार में अपना सकें, यह इस कार्यशाला का उद्देश्य है।

संरक्षिका
डॉ. बिजयालक्ष्मी नंदा
प्राचार्या, मिराण्डा हाउस

आयोजक
संस्कृत विभाग

विषय विशेषज्ञ
डॉ. रेखा अरोड़ा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
डॉ. मधुबाला
(असिस्टेंट प्रोफेसर)